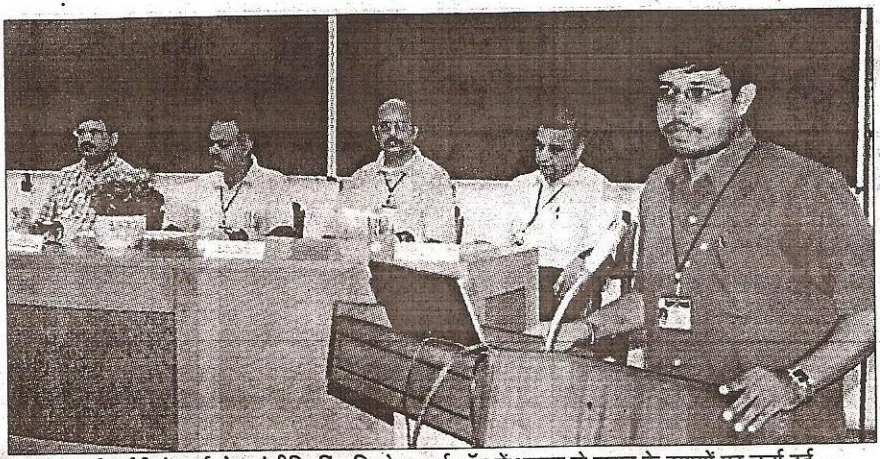

आईआईटी में अर्थक्वेक इंजीनियरिंग लिटरेचर वर्कशॉप में भूकम्प से बचाव के उपायों पर चर्चा हुई

भूकंप की थाह लेंगे आईआईटी होनहार

हिन्दुस्तान 28/08/09

कार्यालय संवाददाता कानपुर

■ रिसर्च को नई धारा देने के लिए वर्कशाप शुरू

कोई भूकंप की थाह माप लेने में तो कोई उससे होने वाले नुकसान को कम करने की जुगत में जुटा था। यह सब हो रहा था गुरुवार से शुरू हुई आईआईटी में अर्थक्वेक इंजीनियरिंग लिटरेचर वर्कशॉप में। इस वर्कशाप में शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों के एमटेक और पीएचडी स्टूडेंट शिरकत कर रहे हैं।

सिविल इंजीनियरगिं विभाग के डॉ.केके बाजपेई ने कहा कि 2001 में भुज में आए भूकंप ने कई जिज्ञासाएँ खड़ी कर दीं। देश-विदेश से आईआईटी के पास तमाम ई-मेल आए। सभी भूकंप पर शोधपरक जानकारी चाहते थे। ई-मेल से जानकारियाँ मुहैया कराना मुमकिन नहीं था। इसलिए आठ साल पहले इस वर्कशॉप का आयोजन शुरू हुआ। प्रो. दुर्गेश राय ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्काइव, स्टडी मैटीरियल, इंटरनेट सुविधाओं का लाभ विद्यार्थी उठा सकते हैं। स्टडी मैटीरियल उन्हें आईआईटी की लागिन के जरिए उपलब्ध होगा। विद्यार्थी जरूरतभर की सामग्री ही डाउनलोड करें। हद से ज्यादा डाउनलोडिंग से विदेशी शोध संस्थान आईआईटी को सेवा देना बंद कर सकते हैं। डीन एकेडमिक अफेयर डॉ.संजय मित्तल ने बताया कि वर्कशॉप 10 दिन चलेगी। सुरेश अलावाडी ने बताया कि वर्कशॉप में आईआईटी के स्टूडेंट गौतम मंडल, पावर्ती, मेघा, सीमा, वैभव सिंघल, अनामिका रिसोर्स पर्सन रहेंगे।

भूकम्प आने पर तख़्त या मेज के नीचे छुप जाएँ

रोजमर्रा के काम में लगे लोग अचानक आए भूकम्प से भयभीत हो इधर उधर भागने लगे। सूचना पर पहुँची आपदा प्रबन्धन की टीम व स्कूल के बच्चों ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। भूकम्प के थमने पर बचाव दल ने अग्नि शमन के साथ मिलकर घायलों को अस्पताल पहुँचाया। लापता लोगों की तलाश में शुरू हो गई। भूकम्प का मंजर देख लोग दहल उठे। यह सब हुआ रावतपुर गाँव स्थित प्रइस्ट हुड पब्लिक स्कूल में। स्कूल में काल्पिनक भूकम्प बचाव का प्रशिक्षण कार्यकम चलाया गया। कार्यक्रम संयोजक लखन शुक्ला ने बताया कि मकान भूकम्परोधी बनाना चाहिए। भूकम्प आने पर घर के अन्दर मेज, तख्त के नीचे छुपना चाहिए।